



संस्कृत—विभाग

काशी नरेश विश्वविद्यालय ,

भदोही

विषय—संस्कृत

स्नातक पाठ्यक्रम

सत्र 2026—27 से प्रवृत्त



काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही

मेजर/माइनर प्रश्न पत्र (पाठ्यक्रम)

स्नातक प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

विषय: संस्कृत

कक्षा/सेमेस्टर	स्नातक प्रथम सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र कोड	A020101T		
प्रश्नपत्र शीर्षक	संस्कृत पद्य—साहित्य एवं व्याकरण		
अधिगम उपलब्धि-	- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे। - वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे। - उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी। - पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा। - विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे - संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।		
क्रेडिट-6	पूर्णांक: 100 (75+25)		
	Min. Passing Mark :25+9		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित कक्षाएं	टिप्पणी
1	(क) संस्कृत वाङ्मय में भारतीय दर्शन, भूगोल, खगोल, गणित, ज्योतिष, योग, आयुर्वेद, विज्ञान इत्यादि का सामान्य परिचय (ख) लौकिक कवियों का सामान्य परिचय—वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष (ग) संस्कृत वैयाकरणों का सामान्य परिचय—पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, यास्क	15	
2	किरातार्जुनीयम्—प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1-25 तक) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	10	

3	शिशुपालवधम्— प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1–25 तक) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	10	
4	नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1–25 तक) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10	
5	लघुसिद्धान्तकौमुदी— माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहारों का बोध	5	
6	संज्ञा प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)— हलन्त्यम् से अन्तिम सूत्र तक	8	
7	अच् सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधिविग्रह)	16	
8	हल् सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधिविग्रह)	16	
		90	

सतत मूल्यांकन—

	25 अंक
(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थः

- किरातार्जुनीयम्— (प्रथम सर्ग), डॉ० राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद ।
- किरातार्जुनीयम्— (प्रथम सर्ग), डॉ० जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली ।
- शिशुपालवधम्— (प्रथम सर्ग), डॉ० जनार्दन गंगाधर रटाटे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- नीतिशतकम् भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 2008
- नीतिशतकम् भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ० बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी ।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, (भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री 1–6 भाग, भैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा, सन्धि प्रकरण) डॉ० वेदपाल, साहित्य भण्डार, मेरठ ।

काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही

मेजर/माइनर प्रश्न पत्र (पाठ्यक्रम)
स्नातक प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

विषय: संस्कृत

कक्षा/सेमेस्टर	स्नातक द्वितीय सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र कोड	A020201T		
प्रश्नपत्र शीर्षक	गद्य साहित्य, व्याकरण एवं संगणक अनुप्रयोग		
अधिगम उपलब्धि—	- विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे। - संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा। - राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे। - अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी। - संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा। - विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे। - E-content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे। - संस्कृत भाषा और साहित्य के नित-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व-ज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे। - संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार एवं आदान-प्रदान करने में कुशल बनेंगे। - पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।		
क्रेडिट-6	पूर्णांक: 100 (75+25)		
	Min. Passing Marks: 25+9		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित	टिप्पणी

		कक्षाएं	
1	गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास, प्रमुख साहित्यकार—बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्त व्यास	8	
2	शुकनासोपदेश (व्याख्या)	12	
3	शिवराजविजयम्— प्रथम निःश्वास	13	
4	दशकुमारचरितम्— प्रथमोच्छवास	10	
5	विसर्ग संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधिविग्रह)	7	
6	अनुवाद हेतु कारक एवं विभक्ति का ज्ञान। अनुवाद—हिन्दी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी	10	
7	कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर में संस्कृत हिन्दी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स यूनिकोड, गूगल, इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग आदि।	15	
8	इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च—ई टेक्स्ट, ई बुक्स, ई जनरल, ई मैगजीन, डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म, जूम, टीम, मीट, वेवैक्स, ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म, स्वयं, मूक, ई पाठशाला, डेलनेट, इनपलाईब्रेट, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि।	15	
		90	

सतत मूल्यांकन—

25 अंक

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थः

शुकनासोपदेश, डॉ० अनीता, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी ।

शुकनासोपदेश, बाणभट (संपा०) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा प्रथम संस्करण 1986—87

शुकनासोपदेश, डॉ० महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

शिवराजविजयम, अम्बिकादत्त व्यास, (संपा०) शिवकरण शास्त्री, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा ।

शिवराजविजयम, डॉ० रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।

शिवराजविजयम, व्याख्याकार—डॉ० दीपक कुमार, सपना अशोक प्रकाशन, वाराणसी ।

दशकुमारचरितम, टी० विश्वनाथ झा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।

संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 2012

संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011

अनुवादचन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली—1999

रचनानुवादकौमुदी, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011

कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर ।

कम्प्यूटर फण्डामेन्टल, पी०के० सिन्हा, बी०पी०बी० पब्लिकेशन, नई दिल्ली ।

इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, चपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली ।

काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही

बी0ए0 द्वितीय वर्ष /तृतीय सेमेस्टर
मेजर/माइनर प्रश्न पत्र (पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत

कक्षा/सेमेस्टर	स्नातक तृतीय सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र शीर्षक	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण		
प्रश्नपत्र कोड	A020301T		
अधिगम उपलब्धि	- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे । - नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे । - नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे । - संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे । - नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी । - भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे । - व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे । - व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा ।		
क्रेडिट-6	पूर्णांक: 100 (75+25)		
	Min. Passing Marks: 25+09		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित कक्षाएं	टिप्पणी
1	नाट्य साहित्य परम्परा तथा प्रमुख नाटककार—भास, अश्वघोष, भवभूति, कालिदास, भट्ट नारायण एवं विशाखदत्त ।	7	
2	अभिज्ञान शाकुन्तलम् (प्रथम, द्वितीय अंक)	15	
3	अभिज्ञान शाकुन्तलम् (तृतीय, चतुर्थ अंक)	14	
4	नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी—नान्दी, सूत्रधार, आमुख, विष्कम्भक, प्रवेशक,	8	

	चूलिका, अंकावतार, स्वगत, प्रकाश ।		
5	रूपसिद्धि—सामान्य परिचय अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) पुलिंग— राम सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि ।	10	
6	अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) स्त्रीलिंग— रमा नपुंसक लिंग— ज्ञान सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि ।	12	
7	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) पुलिंग— राजन्, किम् सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि	12	
8	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) स्त्रीलिंग— किम् नपुंसक लिंग— इदम् सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि	12	
		90	

सतत मूल्यांकन—

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	25
(ख) मौखिकी	15
(ग) उपस्थिति	05
	05

सहायक ग्रन्थ:

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्— डॉ० कपिलदेव द्विवेदी
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्— डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास— उमा शंकर शर्मा 'ऋषि'
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास— वाचस्पति गैरोला
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी— वरदराज, भैमीव्याख्या—भीमसेन शास्त्री
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी— डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय

काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही

बी०ए० तृतीय वर्ष

विषय : संस्कृत

चतुर्थ सेमेस्टर (मेजर / माइनर)

प्रश्नपत्र— काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन—कौशल

कक्षा/सेमेस्टर	स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र कोड	A020401T		
प्रश्नपत्र शीर्षक	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन—कौशल		
अधिगम उपलब्धि—	- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे । - छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे । - संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे । - कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा । - शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि होगी । - व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा । - विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा - संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी । - अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा ।		
क्रेडिट—6	पूर्णांक: 100 (75+25) Min. Passing Marks:25+09		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित कक्षाएं	टिप्पणी
1	संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा तथा प्रमुख आचार्य— भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट, विश्वनाथ	10	
2	साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)	12	
3	छंद (वृत्तरत्नाकर से अधोलिखित छंद)	10	

	अनुष्टुप, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित ।		
4	अलंकार (साहित्यदर्पण के अनुसार) अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान, अतिशयोक्ति	12	
5	विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	13	
6	संस्कृत भाषा में निबंध	13	
7	संस्कृत पत्र लेखन	10	
8	समसामयिक विषयों पर संस्कृत में अनुच्छेद लेखन	10	
		90	

सतत मूल्यांकन—

25

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ:

1. साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी ।
2. साहित्यदर्पण, राजकिशोर सिंह प्रकाशक केन्द्र ।
3. वृत्तरत्नाकर, श्री केदार भट्ट, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन ।
4. छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ० सावित्री गुप्ता, दिल्ली ।
5. काव्यदीपिका, कान्ति चन्द्र भट्टाचार्य, मेरठ ।
6. काव्यदीपिका, डॉ० बाबूराम त्रिपाठी, आगरा ।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन ।
8. संस्कृत निबंधशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
9. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10. संस्कृत निबन्धसुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़ ।

स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर में शोध परियोजना (Research Project)

Credit: 03	निर्धारित कक्षाएं : 45
Max. Marks :100	Min.Passing Marks:33

- विद्यार्थी द्वारा चुने गये द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर में मुख्य विषय में से यदि संस्कृत विषय में वह लघुशोध परियोजना करना चाहता है तो उस विद्यार्थी को संस्कृत विषय से सम्बन्धित लघु शोध परियोजना करनी होगी।
- यह शोध परियोजना /multi&disciplinary interdisciplinary भी हो सकती है।
- शोध परियोजना एक शिक्षक /सुपरवाइजर के निर्देशन में की जायेगी, एक अन्य को—सुपरवाइजर किसी अन्य शोध संस्थान से लिया जा सकता है।
- विद्यार्थी वर्ष के अन्त में दोनों सेमेस्टर में की गई शोध परियोजना का संयुक्त प्रबन्ध (Project Report/Dissertation) जमा करेगा, जिसका मूल्यांकन वर्ष के अन्त में निर्देशक (सुपरवाइजर) एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप में 100 अंकों में से किया जायेगा।

काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही

बी0ए0 तृतीय वर्ष /पंचम सेमेस्टर

विषय : संस्कृत

कक्षा/सेमेस्टर	स्नातक पंचम सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र कोड	A020501T		
प्रश्नपत्र शीर्षक	प्रथम प्रश्नपत्र— वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन		
अधिगम उपलब्धि—	● वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । ● वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा । ● वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा । ● उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा । ● औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे । ● वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा ● भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा । ● दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढार्थ बोध होगा । ● दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा		
क्रेडिट—5	पूर्णांक: 100 (75+25) Min.Passing Marks: 25+09		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित कक्षाएं	टिप्पणी
1	वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग)	8	
2	ऋग्वेद संहिता— अग्नि सूक्त (1.1), विष्णु सूक्त (1.154), पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121)	10	

3	यजुर्वेद संहिता— शिवसंकल्प सूक्त अथर्ववेद संहिता— पृथ्वी सूक्त (12.1) 1 से 12 मंत्र, सामनस्य सूक्त (3.30)	10	
4	ईशावास्योपनिषद्	10	
5	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय— नास्तिक एवं आस्तिक दर्शन	08	
6	श्रीमद्भगवद्गीता— द्वितीय अध्याय	09	
7	तर्कसंग्रह (प्रारम्भ से प्रत्यक्षपर्यन्त)	10	
8	तर्कसंग्रह (अनुमान से समाप्ति पर्यन्त)	10	
		75	

सतत मूल्यांकन—

25

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ:

- ईशावास्योपनिषद्, डॉ० शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
- ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994
- ऋग्वेद संहिता, रामगोविन्द त्रिवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- ऋक्सूक्त सौरभ, डॉ० आर०के०लौ० ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ० प्रयाग नारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो० राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- श्रीमद्भगवद्गीता, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर, 2009

- तर्कसंग्रह, अन्नभट्ट चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा ।
- तर्कसंग्रह, अन्नभट्ट केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
- भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।

काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही

बी0ए0 तृतीय वर्ष /पंचम सेमेस्टर

विषय : संस्कृत

कक्षा/सेमेस्टर	पंचम सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र कोड	A020502T		
प्रश्नपत्र शीर्षक	द्वितीय प्रश्नपत्र— व्याकरण एवं भाषा विज्ञान		
अधिगम उपलब्धि—	- भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा। - संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा। - भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व से सुपरिचित होंगे। - ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी। - पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे। - संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।		
क्रेडिट—5	पूर्णांक: 100 (75+25)		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित कक्षाएं	टिप्पणी
1	धातुरूपसिद्धि— भू धातु के केवल पांच लकार (लट्, लङ्, लृट्, लोट्, विधि लिङ्) (सूत्र, व्याख्या एवं रूपसिद्धि)	10	
2	कृदन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) कृत्य, तव्यत्, अनीयर, यत्, ण्यत्।	10	
3	कृत्— तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवत्, शत्, शानच्।	10	

4	तद्धित प्रकरण— अपत्यार्थ (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	10	
5	समास प्रकरण— अव्ययीभाव समास एवं तत्पुरुष समास (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	10	
6	स्त्री प्रत्यय— टाप् एवं डीप् (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	7	
7	भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएं, भाषा के अनेक रूप—बोली, भाषा, विभाषा।	8	
8	भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण।	10	
		75	

सतत मूल्यांकन—

25

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन
3. कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
4. भाषाविज्ञान एवं भाषा— कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण, 2010
5. भाषाविज्ञान— भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही

बी०ए० तृतीय वर्ष /षष्ठ सेमेस्टर

विषय : संस्कृत

कक्षा/सेमेस्टर	स्नातक षष्ठ सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र कोड	A020601T		
प्रश्नपत्र शीर्षक	प्रथम प्रश्नपत्र— आधुनिक संस्कृत—साहित्य		
अधिगम उपलब्धि	● आधुनिक संस्कृत—कवियों से सुपरिचित होंगे। ● नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा। ● आधुनिक संस्कृत—साहित्य के बाल—साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत—शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे। ● आधुनिक संस्कृत—साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी। ● आधुनिक संस्कृत—साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।		
क्रेडिट—5	पूर्णांक: 100 (75+25)		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित कक्षाएं	टिप्पणी
1	आधुनिक संस्कृत—साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख कृतियों का सामान्य परिचय प्र० रेवा प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रमाकान्त शुक्ल, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, प्र० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी	12	
2	आधुनिक महाकाव्य— उत्तसीताचरितम् प्रथम सर्ग 1 से 35 पद्य)	10	
3	आधुनिक नाटक (एकांकी)— देवो न जानाति	13	
4	संस्कृत महाकाव्य श्रममाहात्म्यम् (षोडशी)	10	

5	संस्कृत गीतिकाव्य (राष्ट्र गीतांजलि) जयतु जयतु मे भारतदेशः, मातृभूमिः	10	
6	संस्कृत कथा कथामुक्तावलि (क्षणिक विभ्रमः) पंडिता क्षमारावकृत	10	
7	दीप मालिका— प्रथम मालिका पं० वासुदेव द्विवेदी शास्त्री	10	
		75	

सतत मूल्यांकन—

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थः

1. कथामुक्तावली (पण्डिता क्षमाराव) P.J. Pandya for N.M. Tripathi Ltd. Princess Street, Bombay-2
2. उत्तरसीताचरित— प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थानम्, वाराणसी।
3. राष्ट्र गीतांजलि— डॉ० कपिलदेव द्विवेदी
4. दीपमालिका— पं० वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थानम्, वाराणसी।
5. संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास, सप्तम खण्ड—आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, प्रथम संस्करण—2000
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूची, (संपादक) राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
7. आधुनिक संस्कृत की परिक्रमा, मंजूलता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
8. कथा मुक्तावली— डॉ० अमिता सिंह, युवराज पब्लिकेशन, आगरा।

काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही

बी०ए० तृतीय वर्ष /षष्ठ सेमेस्टर

विषय : संस्कृत

कक्षा/सेमेस्टर	स्नातक षष्ठ सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र कोड	A020602T		
प्रश्नपत्र शीर्षक	द्वितीय प्रश्नपत्र— योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (वैकल्पिक - क)		
अधिगम उपलब्धि	● भारतीय योग शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे। ● योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे। ● योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे। ● योग के आसनों के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे। ● योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे		
क्रेडिट—5	पूर्णांक: 100 (75+25)		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित कक्षाएं	टिप्पणी
1	योग की भारतीय अवधारणा, उपयोग एवं महत्व, प्रमुख आचार्य एवं ग्रन्थ	8	
2	योगसूत्र— समाधि पाद (1 से 15 सूत्र तक)	10	
3	योगसूत्र— समाधि पाद (16 से 30 सूत्र तक)	10	
4	योगसूत्र— विभूति पाद (1 से 15 सूत्र तक)	09	
5	घेरण्ड संहिता— प्रथमोपदेश (1 से 15 श्लोक तक)	10	
6	घेरण्ड संहिता— प्रथमोपदेश (16 से 32 श्लोक तक)	10	
7	घेरण्ड संहिता— द्वितीयोपदेश (आसन प्रकरण) सिद्धासान, पद्मासन, भद्रासन, वज्रासन, सिंहासन,	09	

	गोमुखासन ।		
8	घेरण्ड संहिता– द्वितीयोपदेश (आसन प्रकरण) वीरासन, धनुरासन, मत्स्यासन, गरुड़ासन, मकरासन, भुजंगासन ।	09	
		75	

सतत मूल्यांकन–

25

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ:

- पातंजलयोगदर्शनम्, पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्वकौमुदी एवं विज्ञा भिक्षु कृत योगवात्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
- योगदर्शन, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
- पातंजलयोगदर्शनम्, सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
- घेरण्ड संहिता, घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीताम्बर पीठ, दतिया, मध्य प्रदेश ।
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार ।
- योग एवं स्वास्थ्य, पी0डी0 मिश्र, रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक

काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही

बी0ए0 तृतीय वर्ष /षष्ठ सेमेस्टर

विषय : संस्कृत

कक्षा/सेमेस्टर	स्नातक षष्ठ सेमेस्टर		
प्रश्नपत्र कोड	A020603T		
प्रश्नपत्र शीर्षक	द्वितीय प्रश्नपत्र— आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान (वैकल्पिक - ख)		
अधिगम उपलब्धि	● भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। ● मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों से सुपरिचित होंगे। ● वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे। ● अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।		
क्रेडिट-5	पूर्णांक: 100 (75+25) Min. Passing Marks: 25+09		
इकाई	पाठ्यक्रम	निर्धारित कक्षाएं	टिप्पणी
1	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास प्रमुख आचार्य चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र	10	
2	आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धांत, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्व, अष्टांग आयुर्वेद	11	
3	चरक संहिता सूत्र स्थान, प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से 92)	09	
4	चरक संहिता – सूत्र स्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 93 से समाप्ति पर्यंत)	09	
5	चरक संहिता – सूत्र स्थान नवम अध्याय	09	
6	चरक संहिता – सूत्र स्थान दशम अध्याय	09	
7	अष्टांगहृदयम्-वाग्भटसूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 1-19	09	

8	अष्टांगहृदयम् – वाग्भट सूत्रस्थानम्— प्रथम अध्याय 20-44	09	
		75	

सतत मूल्यांकन—

	25
(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

संस्तुत ग्रंथ—

- चरक संहिता, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
- अष्टांगहृदयम्, वाग्भट, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
- आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड). उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखंबा वाराणसी
- आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी, चौखंबा, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण, 1956

स्नातक षष्ठ सेमेस्टर में शोध परियोजना (Research Project)

Credit: 03	निर्धारित कक्षाएं : 45
Max. Marks :100	Min. Passing Marks:33

- विद्यार्थी द्वारा चुने गये तृतीय वर्ष के षष्ठ सेमेस्टर में मुख्य विषय में से यदि संस्कृत विषय में वह लघुशोध परियोजना करना चाहता है तो उस विद्यार्थी को संस्कृत विषय से सम्बन्धित लघु शोध परियोजना करनी होगी।
- यह शोध परियोजना /multi&disciplinary interdisciplinary भी हो सकती है।
- शोध परियोजना एक शिक्षक /सुपरवाइजर के निर्देशन में की जायेगी, एक अन्य को—सुपरवाइजर किसी अन्य शोध संस्थान से लिया जा सकता है।
- विद्यार्थी वर्ष के अन्त में दोनों सेमेस्टर में की गई शोध परियोजना का संयुक्त प्रबन्ध (Project Report/Dissertation) जमा करेगा, जिसका मूल्यांकन वर्ष के अन्त में निर्देशक (सुपरवाइजर) एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप में 100 अंकों में से किया जायेगा।

(अध्ययन समिति के सदस्य)

डॉ० ऋचा मो०नं०—9450578369

प्रो० राजेन्द्र प्रसाद यादव मो०नं० -9415858712

प्रो० आराधना वर्मा मो०नं० -7388063844

डॉ० उष्मा यादव मो०नं० -8318099795

डॉ० अंकिता तिवारी मो०नं० -8858377447